



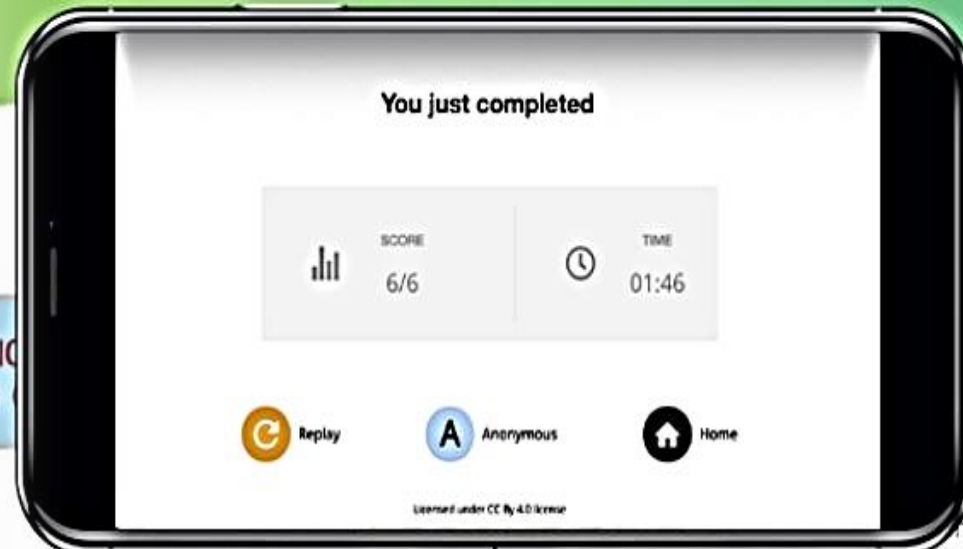
DIKSHA

Digital Infrastructure for Knowledge Sharing

National Platform for Our Teachers, Our Heroes

DIKSHA

दीक्षा



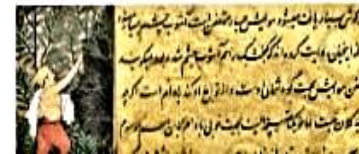
7 TRIBES, NOT SETTLED

You saw in Chapters 2, 3 and 4 how kingdoms rose and fell. Even as this was happening, new arts, crafts and production activities flourished in towns and villages. Over the centuries important political, social and economic developments had taken place. But social change was not the same everywhere, because different kinds of societies evolved differently. It is important to understand how, and why, this happened.

In large parts of the subcontinent, society was already divided according to the rules of *varna*. These rules, as prescribed by the Brahmanas, were accepted by the rulers of large kingdoms. The difference between the



Tribal dance. Santal painted scroll.



the Maharashtra, Karnataka were large and numerous. They lived in many areas of Gujarat. Further south there were large populations of Koragas, Gonds, Maravars and many others.

The large tribe of Bhils was spread across western and central India. By the late sixteenth century, many of them had become settled agriculturists and some even zamindars. Many Bhil clans, nevertheless, remained hunter-gatherers. The Gonds were found in great numbers across the present-day states of Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Maharashtra and Andhra Pradesh.

How Nomads and Mobile People Lived

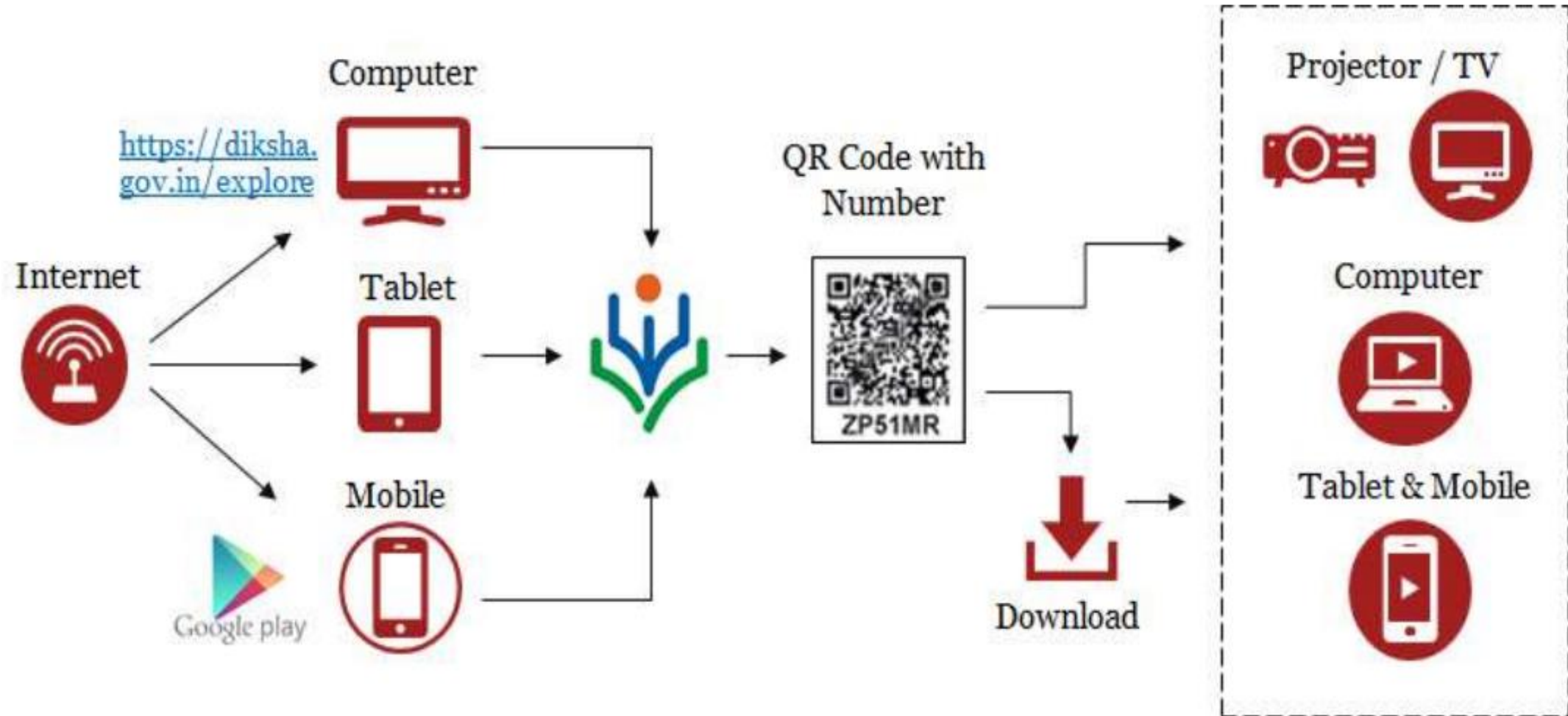
Nomadic pastoralists moved over

ETB क्या है?

- प्रचलित पाठ्यपुस्तक में QR (क्विक रिसपान्स) अंकित कर इसे Energized Text Book (ETB) में परिवर्तित किया जाता है। इस QR Code को DIKSHA पोर्टल से लिंक किया जाता है एवं DIKSHA पोर्टल में इस QR Code के लिए e-content (e- पाठ्यवस्तु) उपलब्ध होते हैं जिसे QR Code कोड को स्केन कर देखा/सुना या पढ़ा जा सकता है।
- छत्तीसगढ़ राज्य ने कक्षा 1 से 10वीं तक के हिन्दी माध्यम के समस्त 67 पाठ्यपुस्तकों में QR Code अंकित कर ETB में परिवर्तित कर दिया है। प्रत्येक पुस्तक में एक-एक QR कोड प्रत्येक अवधारणा में लगे हैं, इसी प्रकार प्रत्येक अध्याय के अंत में एक QR Code आकलन के लिए तथा एक पुस्तक में एक QR Code शिक्षक संसाधन (TR) के लिए अंकित किए गए हैं। इस प्रकार कुल 3821 QR Code हमारे पाठ्यपुस्तक में अंकित हैं।



Process for ETB Access and Usage



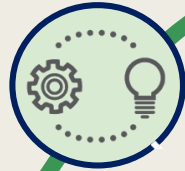
ETB का लाभ

- (i) ETB का उपयोग विद्यार्थी अपने पालकों के एंड्रॉयड मोबाइल को लेकर कर सकते हैं। यदि उन्हें कोई अवधारणा समझ में नहीं आ रहा तो यह अतिरिक्त सामग्री प्रदाय करता है और उसने कितना सीखा है। इसका आकलन स्वयं वह कर सकता है। डिजिटल content में आवाज के साथ चित्र भी होते हैं जिससे content रूचिकर हो जाता है।
- (ii) शिक्षक ETB में लिंक विषयवस्तु देखकर अपना लेशन प्लान बना सकते हैं तथा यह उनके अध्यापन कार्य में भी सहायता प्राप्त कर सकता है।
- (iii) इसका उपयोग कहीं पर कभी भी शिक्षक कर सकता है परन्तु यदि उनके स्कूल में शिक्षकों को मोबाइल साथ में रखने का अनुमति है तो सभी शिक्षकों के मोबाइल को लेकर कक्षा के अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया में भी डिजिटल विषयवस्तु का उपयोग कर सकता है।

स्क्रीन से समझ तक

विद्यार्थियों के लिए

सीखना



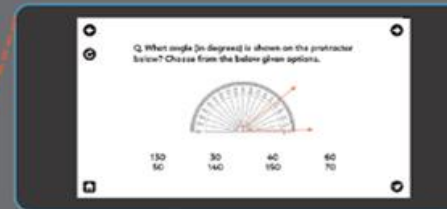
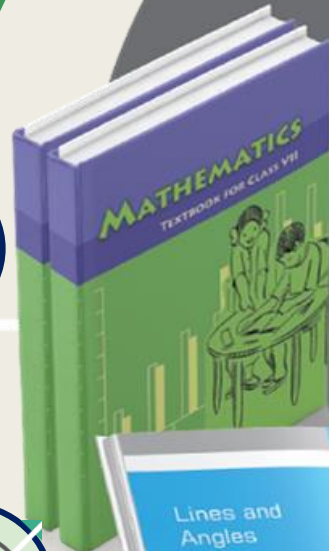
अभ्यास



निदान



Multiple Topics



शिक्षकों के लिए

तैयारी



योजना



शिक्षण





अध्याय 2

संक्रियाएँ

जोड़ना-घटाना

पिछली कक्षाओं में हम चार अंकों तक की संख्याओं का जोड़ना और घटाना सीख चुके हैं।
अब इसे दोहराएँ-

(अ) हल करो -

$$\begin{array}{r} (1) \quad 3721 \\ + 2510 \\ \hline \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} (2) \quad 157 \\ + 6832 \\ \hline \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} (3) \quad 95 \\ + 721 \\ \hline 5328 \\ + 37 \\ \hline \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} (4) \quad 2731 \\ - 1542 \\ \hline \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} (5) \quad 6710 \\ \hline \hline \end{array}$$

देखो, संख्याएँ-

जोड़ना-

जोड़ो-

$$(1) \quad 56,784 \text{ और } 48,785$$

$$(2) \quad 27,835 \text{ और } 308$$

$$(3) \quad 40,312 \text{ और } \dots$$

(4)



1 Click on **Play Store**



2 Type '**Diksha**' in the search box & click on **install**



3 **Open** the app



4 Select preferred language



5 Choose your role : Student or Teacher



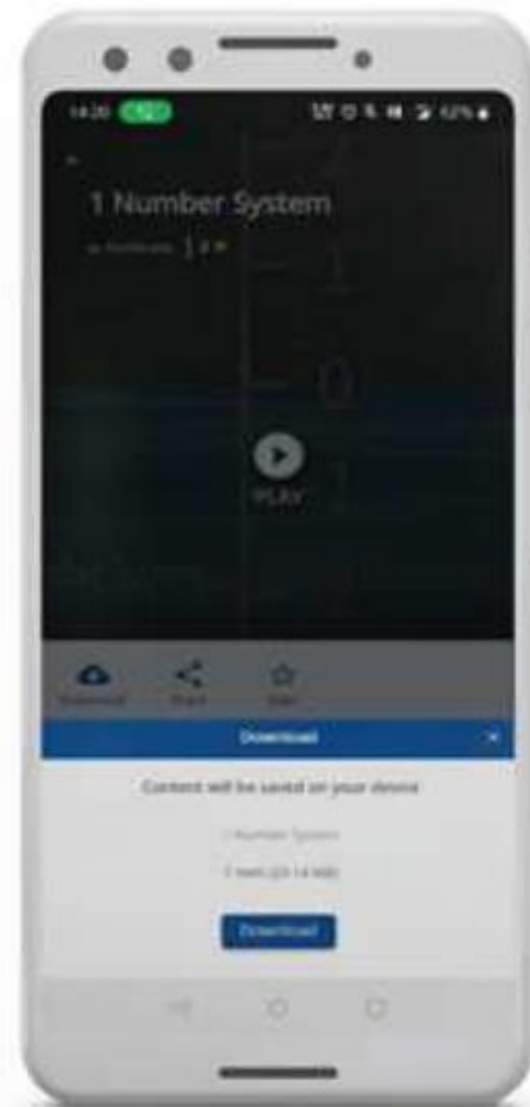
6 Grant access to app



7 Click to **scan**



8 **Focus** camera on the QR code in textbook



9 **Play** content

डेस्कटॉप/मोबाइल ब्राउज़र पर उपयोग



पाठ्यपुस्तकों में QR कोड के निचे 6 डिजिट का कोड भी उपलब्ध कराया गया है

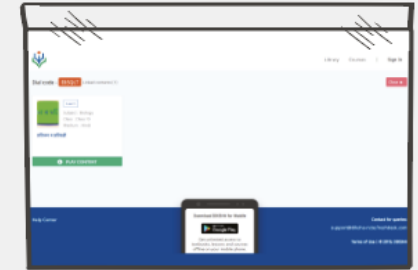
(e.g. **BSD1AV**)



<https://diksha.gov.in/cg/>
वेबसाइट पर प्रवेश करें



QR कोड में 6 डिजिट के कोड को टाइप करें



और सामग्री तुरंत उपलब्ध हो जाएगी

छत्तीसगढ़ में दीक्षा

1

कक्षा 1 से कक्षा 10 की हिंदी माध्यम की समस्त 67 पाठ्यपुस्तकें QR कोड युक्त

2

6 स्थानीय बोलियों में पाठ्य सामग्री उपलब्ध – छत्तीसगढ़ी, गोंडी (दंतेवाड़ा क्षेत्र , कांकेर क्षेत्र), हल्बी, सरगुजिहा, कुडुंख

3

उच्चकोटि के पाठ्य सामग्री ऑनलाइन एवं ऑफलाइन उपलब्ध



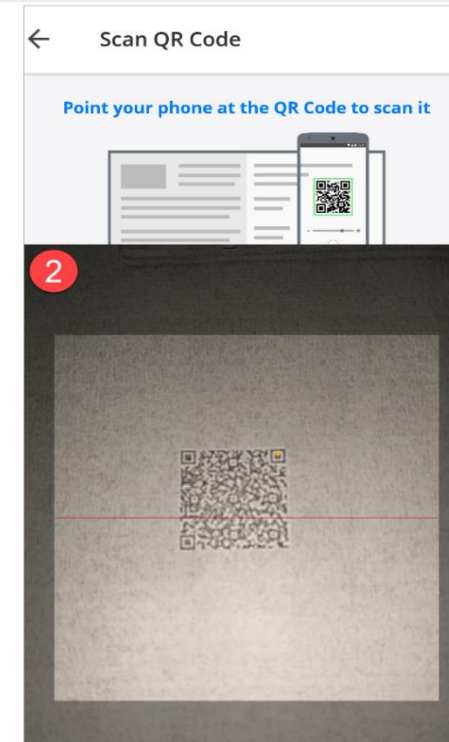
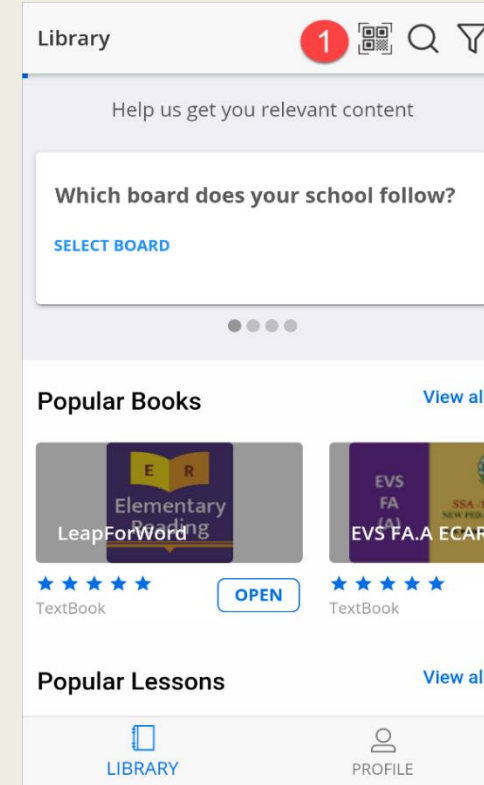
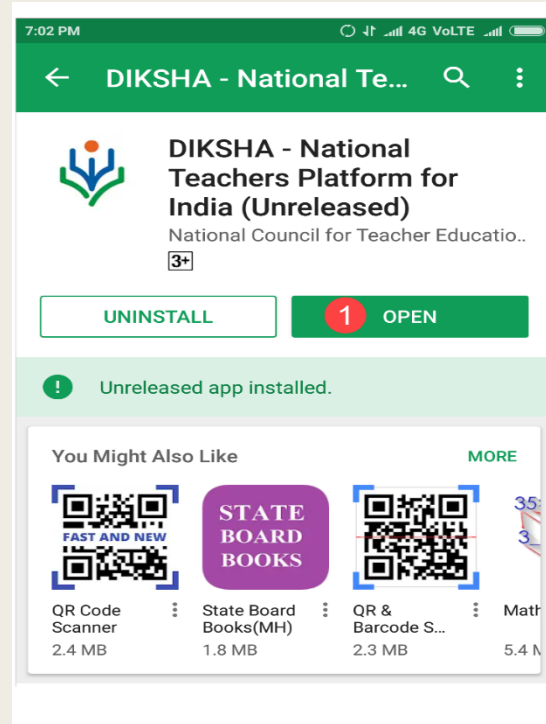
3761



2364



10,620





प्रकृति की वस्तुओं से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। फूल हमें हँसना सिखाते हैं, भौरे गुनगुनाना और दीपक हमें जलकर भी प्रकाश देना सिखाता है। हमें चाहिए कि हम प्रकृति की चीजों से सदा कुछ सीखते रहें।

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना ॥



सीख हवा के झोंकों से लो
कोमल भाव बहाना।
दूध तथा पानी से सीखो
मिलना और मिलाना ॥



सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो
सबको गले लगाना ॥



Chapter Level QR code

Chapter Level QR code, placed in the beginning of each chapter.



राष्ट्रीय भावों से ओत-प्रोत यह कविता बच्चों के कोमल मन में स्वदेश प्रेम की भावना को सहज ही जागृत करती है। कवि देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने को प्रस्तुत है, पर इतने से ही उनका मन संतुष्ट नहीं होता। कवि-मन में हर पल राष्ट्र के लिए कुछ और भी अर्पित करने की उत्कट चाहत है। स्वयं को अकिंचन मानते हुए भी कवि अपने हर भाव, चाहत और अपनी हर चेष्टा को राष्ट्र माता के चरणों में समर्पित करने को कृत संकल्पित है और देशवासियों को भी प्रेरित करते हैं।

मन समर्पित, तन समर्पित,
और यह जीवन समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
माँ, तुम्हारा ऋण बहुत है, मैं अकिंचन,
किन्तु इतना कर रहा, फिर भी निवेदन
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब,
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण,
गान अर्पित, प्राण अर्पित,
रक्त का कण-कण समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

भाँज दो तलवार को लाओ न देरी,
बाँध दो कसकर, कमर पर ढाल मेरी,
भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी,

स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।



शिक्षकों की जिम्मेदारी

शिक्षकों DIKSHA में उपलब्ध 2 विषयवस्तु का उपयोग अवश्य करें तथा छात्रों को भी घर में इसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। शिक्षक बच्चों को QR Code का उपयोग स्केन कैसे करते है बताएँ।

इसके अतिरिक्त परिषद् से e-content पर अपना फीडबैक/सुझाव अवश्य दे और यदि वे स्वयं भी इस प्रकार का e-content बनाते है तो परिषद् को भेजे।

The image features two thick black L-shaped corner brackets. One is positioned in the top-left corner, and the other is in the bottom-right corner. They are oriented towards each other, framing the central text.

THANKS